MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

MAIN NEWS HEADLINE 7 August History   राष्ट्रीय हथकरघा दिवस आज... रवी

विषय सूची (Table of Contents):

>> 7 अगस्त का इतिहास स्वदेशी आंदोलन, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस और महान हस्तियों का स्म...

>> इतिहास के पन्नों में 7 अगस्त का महत्व...

>> आत्मनिर्भर भारत की ऐतिहासिक नींव...

>> राष्ट्रीय हथकरघा दिवस और स्वदेशी आंदोलन का संबंध (1905 एवं 2015)...

>> 1905 का स्वदेशी आंदोलन और बहिष्कार का आह्वान...

>> 2015 में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुरुआत...

>> गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि भारत के राष्ट्रगान रचयिता को नमन (1941)...

>> साहित्य और दर्शन के महान प्रतीक का देहावसान...

>> नोबेल पुरस्कार और राष्ट्रगान की रचना...

>> 7 अगस्त को जन्मे प्रमुख व्यक्तित्व डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन, अवनीन्द्रनाथ ठाकुर औ...

>> डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन (1925) - भारतीय हरित क्रांति के जनक...

>> अवनीन्द्रनाथ ठाकुर (1871) और वासुदेव शरण अग्रवाल (1904)...

>> सुरेश वाडेकर (1955) - संगीत जगत के अनमोल रत्न...

>> 7 अगस्त को देश ने खोई ये बड़ी शख्सियतें एम. करुणानिधि और गीतकार गुलशन बावरा...

>> एम. करुणानिधि (2018) - तमिल राजनीति के दिग्गज नेता...

>> गुलशन बावरा (2009) - हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय गीतकार...

>> 1753 से 1998 वैश्विक इतिहास की वो बड़ी घटनाएं जो 7 अगस्त के नाम दर्ज हुई...

>> ब्रिटिश म्यूज़ियम की स्थापना (1753)...

>> कंप्यूटिंग इतिहास की बड़ी उपलब्धि (1944)...

>> आइवरी कोस्ट की स्वतंत्रता (1960)...

>> अमरीकी दूतावासों पर आतंकी हमला (1998)...

>> निष्कर्ष 7 अगस्त की तारीख भारत और दुनिया के लिए क्यों है बेहद खास?...

>> आपके सवाल, हमारे जवाब...

भारतीय और वैश्विक इतिहास के पन्नों में 7 अगस्त का दिन एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह तारीख न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम में स्वदेशी आंदोलन की नींव रखने के लिए जानी जाती है, बल्कि देश के हथकरघा उद्योग को समर्पित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में भी मनाई जाती है। इसके अलावा, 7 अगस्त को साहित्य, विज्ञान, कला और राजनीति क्षेत्र की कई महान शख्सियतों के योगदान और स्मृति के लिए याद किया जाता है।

इतिहास के झरोखे से देखें तो आज ही के दिन गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इस दुनिया से विदा ली थी, तो वहीं भारतीय हरित

क्रांति के जनक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का जन्म भी इसी पावन तिथि को हुआ था। आइए, 7 अगस्त की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं, जन्म एवं पुण्यतिथियों के बारे में विस्तार से जानते हैं ताकि आप इस दिन के ऐतिहासिक महत्व को बेहतर ढंग से समझ सकें।

7 अगस्त का इतिहास: स्वदेशी आंदोलन, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस और

इतिहास के पन्नों में 7 अगस्त का महत्व

7 अगस्त की तारीख भारतीय इतिहास में स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक मानी जाती है। वर्ष 1905 में इसी दिन भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने एक नया मोड़ लिया था, जब ब्रिटिश हुकूमत के विभाजनकारी फैसलों के खिलाफ पूरे देश में स्वदेशी का बिगुल फूंका गया था।

इसके साथ ही, समाज कल्याण और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की बात करें तो देश में हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र के संवर्धन के लिए कई सरकारी नीतियां लागू की गई हैं। यदि आप सरकारी कल्याणकारी योजनाओं जैसे पिएम आवास योजना: लिस्ट और पात्रता चेक करें, मिलेंगे 1.3 लाख!की स्थिति जानना चाहते हैं, तो ऑनलाइन पोर्टल पर latest update 2026 सूची और status check कर सकते हैं।

आत्मनिर्भर भारत की ऐतिहासिक नींव

स्वदेशी आंदोलन ने भारत के पारंपरिक कारीगरों, बुनकरों और स्थानीय उद्योगों को एक नई पहचान दी। यही कारण है कि आज का दिन हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर विशेष गौरव के साथ याद किया जाता है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस और स्वदेशी आंदोलन का संबंध (1905 एवं 2

1905 का स्वदेशी आंदोलन और बहिष्कार का आह्वान

7 अगस्त 1905 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कलकत्ता के ऐतिहासिक टाउन हॉल में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया था। इस बैठक में बंग-भंग (बंगाल विभाजन) के कड़े विरोध में ब्रिटिश निर्मित वस्तुओं के पूर्ण बहिष्कार का आधिकारिक

आह्वान किया गया। यहीं से स्वदेशी आंदोलन की नींव रखी गई, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी।

2015 में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुरुआत

वर्ष 1905 के इस ऐतिहासिक स्वदेशी आंदोलन की स्मृति में भारत सरकार ने वर्ष 2015 में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। देश के हथकरघा बुनकरों के अथक परिश्रम को सम्मानित करने और घरेलू हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 7 अगस्त को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (National Handloom Day) घोषित किया गया।

>> उद्देश्य:स्थानीय बुनकरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और भारतीय कपड़ों की समृद्ध विरासत को सहेजना।

>> महत्व:खादी और हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करना।

>> डिजिटल पहल:कारीगर अब विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों के जरिए अपनी सूची (PDF list) और उत्पादों की बिक्री बढ़ा रहे हैं।

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि: भारत के राष्ट्रगान र

साहित्य और दर्शन के महान प्रतीक का देहावसान

7 अगस्त 1941 को भारत ने अपने सबसे महान कवियों, दार्शनिकों और साहित्यकारों में से एक, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को खो दिया था। उन्होंने अपनी कालजयी रचनाओं और विचारों से भारतीय साहित्य को विश्व स्तर पर एक नई पहचान दिलाई थी।

नोबेल पुरस्कार और राष्ट्रगान की रचना

रवीन्द्रनाथ टैगोर साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार (1913, गीतांजलि के लिए) जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय और एशियाई विद्वान थे। उन्होंने भारत के राष्ट्रगान जन गण मन तथा बांग्लादेश के राष्ट्रगान अमार सोनार बांग्ला की रचना की, जो आज भी करोड़ों लोगों के दिलों में देशप्रेम की भावना जगाता है।

7 अगस्त को जन्मे प्रमुख व्यक्तित्व: डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन,

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन (1925) - भारतीय हरित क्रांति के जनक

7 अगस्त 1925 को भारत के विख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का जन्म हुआ था। उन्होंने देश में कृषि उत्पादन बढ़ाने और खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरित क्रांति का नेतृत्व किया, जिससे भारत कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सका।

अवनीन्द्रनाथ ठाकुर (1871) और वासुदेव शरण अग्रवाल (1904)

वर्ष 1871 में भारत के सुप्रसिद्ध चित्रकार और साहित्यकार अवनीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म हुआ था, जिन्होंने इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट की स्थापना की थी। वहीं, 1904 में भारतीय संस्कृति, इतिहास और पुरातत्व के महान विद्वान वासुदेव शरण अग्रवाल का जन्म हुआ। यदि आप शिक्षा और छात्रवृत्ति से जुड़ी नई अपडेट्स खोजना चाहते हैं, तो प्रतिभा को मिलेगा पंख!जैसे अवसरों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सुरेश वाडेकर (1955) - संगीत जगत के अनमोल रत्न

7 अगस्त 1955 को भारतीय संगीत जगत के सुप्रसिद्ध और प्रतिष्ठित पार्श्व गायक सुरेश वाडेकर का जन्म हुआ था। अपनी सुरीली आवाज और शास्त्रीय गायन शैली से उन्होंने हिंदी और मराठी सिनेमा में अनगिनत यादगार गीत दिए हैं।

7 अगस्त को देश ने खोई ये बड़ी शख्सियतें: एम. करुणानिधि और ग

एम. करुणानिधि (2018) - तमिल राजनीति के दिग्गज नेता

7 अगस्त 2018 को तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) के प्रमुख एम. करुणानिधि का निधन हुआ था। वे तमिल राजनीति और साहित्य के शिखर पुरुष थे, जिन्होंने दशकों तक राज्य की राजनीति पर गहरा प्रभाव डाला।

गुलशन बावरा (2009) - हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय गीतकार

वर्ष 2009 में इसी दिन हिंदी सिनेमा के मशहूर गीतकार गुलशन बावरा ने दुनिया को अलविदा कहा था। यारी है ईमान मेरा यार

मेरी जिंदगी जैसे सदाबहार गानों की रचना करने वाले गुलशन बावरा के गीतों को आज भी बड़े चाव से सुना जाता है।

1753 से 1998: वैश्विक इतिहास की वो बड़ी घटनाएं जो 7 अगस्त के

ब्रिटिश म्यूज़ियम की स्थापना (1753)

7 अगस्त 1753 को दुनिया के सबसे बड़े, प्रसिद्ध और समृद्ध संग्रहालयों में से एक ब्रिटिश म्यूज़ियम (British Museum) की स्थापना की गई थी, जिसमें विश्व की प्राचीन मानव संस्कृति और कलाकृतियों का विशाल संग्रह मौजूद है।

कंप्यूटिंग इतिहास की बड़ी उपलब्धि (1944)

वर्ष 1944 में 7 अगस्त को इलेक्ट्रो-मैकेनिकल तकनीक पर आधारित शुरुआती विशाल कैलकुलेटर और कंप्यूटिंग मशीन का निर्माण पूरा हुआ था। यह विशाल मशीन लगभग 51 फीट लंबी, 8 फीट ऊंची और 5 टन वजनी थी, जिसने आधुनिक कंप्यूटर युग का मार्ग प्रशस्त किया।

आइवरी कोस्ट की स्वतंत्रता (1960)

7 अगस्त 1960 को अफ्रीकी महाद्वीप के देश आइवरी कोस्ट को फ्रांस के औपनिवेशिक शासन से पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। अंतरराष्ट्रीय संबंधों और वैश्विक रणनीतिक पहलों की बात करें, तो वर्तमान में भारत और फ्रांस के बीच ऐतिहासिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। इस विषय पर अधिक जानने के लिए पढ़ें-फ्रांस में बजा भारत का डंका! पीएम मोदी और मैक्रों की ऐतिहासिक डील।

अमरीकी दूतावासों पर आतंकी हमला (1998)

7 अगस्त 1998 को केन्या की राजधानी नैरोबी और तंजानिया के दार एस सलाम में स्थित अमेरिकी दूतावासों पर एक साथ आत्मघाती आतंकी हमले हुए थे। इस भीषण त्रासदी में 200 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और हजारों लोग घायल हुए थे।

नष्किर्ष: 7 अगस्त की तारीख भारत और दुनिया के लिए क्यों है बे

संक्षेप में कहा जाए तो 7 अगस्त का दिन भारतीय इतिहास और वैश्विक घटनाक्रमों का एक अद्भुत संगम है। जहां एक ओर यह दिन हमें स्वदेशी आंदोलन की प्रेरणादायी याद दिलाता है और हथकरघा बुनकरों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर देता है, वहीं दूसरी ओर रवीन्द्रनाथ टैगोर, एम. एस. स्वामीनाथन और एम. करुणानिधि जैसी महान शख्सियतों के योगदान को भी नमन करता है।

वैश्विक स्तर पर संग्रहालयों की स्थापना से लेकर कंप्यूटर के शुरुआती विकास और देशों की स्वतंत्रता तक, 7 अगस्त की तारीख हर दृष्टिकोण से ऐतिहासिक एवं स्मरणीय है।

आपके सवाल, हमारे जवाब

7 अगस्त 1905 को कलकत्ता टाउन हॉल से स्वदेशी आंदोलन और ब्रिटिश सामानों के बहिष्कार की शुरुआत हुई थी। इसी ऐतिहासिक घटना की याद में और हथकरघा बुनकरों के सम्मान हेतु भारत सरकार ने 2015 से 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने का निर्णय लिया।

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर का निधन 7 अगस्त 1941 को हुआ था। वे साहित्य में नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई थे और उन्होंने भारत के राष्ट्रगान की रचना की थी।

7 अगस्त 1925 को भारत के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और हरित क्रांति के जनक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का जन्म हुआ था।

दुनिया के प्रसिद्ध और विशाल ब्रिटिश म्यूजियम की स्थापना 7 अगस्त 1753 को की गई थी।

आइवरी कोस्ट को 7 अगस्त 1960 को फ्रांस के औपनिवेशिक शासन से पूर्ण स्वतंत्रता मिली थी।